

## **Resource: मुख्य शब्द (अनफोल्डिंग वर्ड)**

**unfoldinWord® Translation Words** © 2022 unfoldingWord. Released under CC BY-SA 4.0 license. unfoldingWord® Translation Words has been adapted in the following languages: Tok Pisin, Arabic (عَرَبِيٌّ), French (Français), Hindi (हिन्दी), Indonesian (Bahasa Indonesia), Portuguese (Português), Russian (Русский), Spanish (Español), Swahili (Kiswahili), and Simplified Chinese (简体中文) from unfoldingWord® Translation Words © 2022 unfoldingWord. Released under CC BY-SA 4.0 license by Mission Mutual

## मुख्य शब्द (अनफोल्डिंग वर्ड)

व

वध करना, वर्ष, वशती, वह पवित्र, वाचा, वाचा का सन्दूक, वाचा की विश्वासयोग्यता, वार्दी, विधि, विधि, विनती, विपत्ति, विरोधी, विलाप करना, विवाह, विवेक, विश्वास, विश्वास, विश्वास करना, विश्वासयोग्य, विषय-वस्तु, वीणा, वीणा, वेदी, वैभव, वैश्या

### बाइबल के सन्दर्भः

#### वध करना

##### परिभाषा:

“वध करना” शब्द का अर्थ है बड़ी संख्या में पशुओं या मनुष्यों की हत्या करना या “निर्दयता से हत्या करना”。 इसका सन्दर्भ खाने के लिए पशु की हत्या करना भी होता है। \* वध करने के कार्य को भी “वध करना” कहा जाता है।

- रेगिस्टान में वास करते समय जब अब्राहम के पास तीन आगन्तुक आए थे तब उसने अपने सेवकों को आज्ञा दी थी कि उनके लिए बछड़ा वध करके भोजन तैयार किया जाए।
- भविष्यद्वक्ता यहेजकेल ने भविष्यद्वाणी की थी कि परमेश्वर अपना स्वर्गदूत भेजकर उन सबका वध करेगा जो उसके वचनों पर नहीं चलते हैं।
- 1 शमूएल में नरसंहार की चर्चा की गई है जिसमें शत्रुओं ने 30,000 इस्साएलियों की हत्या की थी क्योंकि वे परमेश्वर की आज्ञाओं पर नहीं चलते थे।
- “वध करने के हथियार” का अनुवाद हो सकता है, “हत्या करने के साधन”।
- “बड़ा संहार हुआ” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “बड़ी संख्या में लोग मारे गए” या “हत्या किए हुओं की संख्या बहुत अधिक थी” या “बहुत ही अधिक लोग मरे”।
- “वध” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “हत्या करना”, या “मार डालना” या “जान लेना”।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, गाय, अवज्ञा, यहेजकेल, सेवक, मार डाला)

- [यहेजकेल 21:10-11](#)
- [इब्रानियों 07:01](#)
- [यशायाह 34:02](#)
- [यिर्मयाह 25:34](#)

### शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H2026, H2027, H2028, H2076, H2491, H2873, H2874, H2878, H4046, H4293, H4347, H4660, H5221, H6993, H7524, H7819, H7821, G2871, G4967, G4969

### वर्ष

##### परिभाषा:

बाइबल में “वर्ष” का वास्तविक अर्थ, 354 दिनों के समय का सन्दर्भ देता था। यह वर्ष चंद्र कैलेण्डर के अनुसार था जब चांद पृथ्वी की एक परिक्रमा कर लेता है।

- आज का वर्ष सौर कैलेण्डर के अनुसार 365 दिन का होता है जो बारह महीनों में विभाजित होता है, और पृथ्वी द्वारा सूर्य की परिक्रमा के समय पर आधारित है।
- दोनों ही कैलेण्डरों में वर्ष के बारह महीने हैं। चंद्र कैलेण्डर के वर्ष में तेरहवां महीना जोड़ा जाता है यह उस तथ्य की पूर्ति के लिए है कि चांद्र वर्ष सौर वर्ष से ग्यारह दिन छोटा है। इससे दोनों कैलेण्डरों को समानान्तर रखने में सहायता मिलती है।
- बाइबल में वर्षों को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया जाता है जो किसी घटना के लिए समय की सामान्य चर्चा के लिए काम में लिया जाता है। इसके उदाहरण हैं “यहोवा का वर्ष” या “अकाल के वर्ष” या “यहोवा के प्रसन्न रहने के वर्ष”। ऐसे संदर्भों में “वर्ष” का अनुवाद “समय” या “ऋतु” या “समय का अन्तराल” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: महीने)

#### बाइबल सन्दर्भ:

- [2 राजा 23:31](#)
- [प्रे.का. 19:8-10](#)
- [दानियेल 8:1](#)
- [निर्गमन 12:2](#)

#### शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3117, H7620, H7657, H8140, H8141, G1763, G2094

## वशती

#### तथ्य:

पुराने नियम में एस्टर की पुस्तक में वशती राजा क्ष्यर्ष की रानी थी।

- रानी वशती ने राजा क्ष्यर्ष के भोज में उपस्थित होकर राजा के मतवाले अतिथियों को अपनी सुंदरता दिखाने की उसकी आज्ञा टाल दी थी, अतः राजा ने उसे त्याग दिया था।
- अब नई रानी के लिए कन्याओं का चयन किया गया और अन्त में एस्टेर रानी बनी।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: क्ष्यर्ष, एस्टेर, फारस)

#### बाइबल सन्दर्भ:

- [एस्टेर 01:9-11](#)
- [एस्टेर 02:1-2](#)
- [एस्टेर 02:17-18](#)

#### शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H2060

## वह पवित्र

#### परिभाषा:

“वह पवित्र” बाइबल में यह एक उपनाम है जो सदैव परमेश्वर का संदर्भ देता है।

- “पुराने नियम में यह नाम अधिकतर “इस्साएल का पवित्र” उक्ति में प्रकट होता है।
- नये नियम में यीशु को भी “पवित्र जन” कहा गया है।
- “पवित्र जन” बाइबल में कभी-कभी स्वर्गदूत के लिए काम में लिया गया है।

### अनुवाद के सुझाव:

- वास्तविक शब्दावली है, “एकमात्र पवित्र” (“एक” शब्द अभिप्रेत है।) कई भाषाएं (जैसे अंग्रेज़ी) इसे अभिप्रेत संज्ञा शब्द के साथ अनुवाद करेंगे (जैसे “एक” या “परमेश्वर”)।
- इस शब्द का अनुवाद “परमेश्वर, जो पवित्र है” या “पृथक किया गया एकमात्र।”
- “इस्साएल का पवित्र”, इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “पवित्र परमेश्वर जिसकी इस्साएल आराधना करता है” या “वह पवित्र जो इस्साएल पर राज करता है”
- इस शब्द का अनुवाद उसी शब्द या वाक्यांश द्वारा किया जाए जो “पवित्र” शब्द के लिए काम में लिया जाता है तो अति उत्तम होगा।

(यह भी देखें: पवित्र, परमेश्वर)

### बाइबल सन्दर्भ:

- [1 यूहन्ना 2:20](#)
- [2 राजा 19:22](#)
- [प्रे.का. 2:27](#)
- [प्रे.का. 3:13-14](#)
- [यशायाह 5:15-17](#)
- [यशायाह 41:14](#)
- [लूका 4:33-34](#)

### शब्द तथ्य:

- स्ट्रोग्स: H2623, H376, H6918, G40, G3741

### वाचा

#### परिभाषा:

बाइबल में, “वाचा” शब्द दो पक्षों के बीच एक औपचारिक, वाचा एक विधिवत बन्धक समझौता है जिसे दोनों पक्षों को निभाना होता है।

- यह समझौता दो मनुष्यों, दो जन समूहों में या परमेश्वर और मनुष्यों के मध्य हो सकता है।
- मनुष्य जब एक दूसरे के साथ वाचा बांधते हैं तब वे कुछ प्रतिज्ञाएं करते हैं और उनका पूरा करना अनिवार्य होता है।
- मनुष्यों के मध्य वाचा के उदाहरण हैं, विवाह, व्यापारिक समझौते तथा देशों के मध्य संधि।
- संपूर्ण बाइबल में परमेश्वर ने अपने लोगों के साथ अनेक वाचा बांधी हैं।
- कुछ वाचाओं में परमेश्वर ने बिना शर्त अपनी भूमिका निभाने की प्रतिज्ञा की है। \* उदाहरणार्थ जब परमेश्वर ने मनुष्यों के साथ बाचा बांधी थी कि वह पृथ्वी को जल प्रलय से कभी नष्ट नहीं करेगा तो उसमें मनुष्यों की कोई भूमिका नहीं थी।
- अन्य वाचाओं में परमेश्वर ने अपनी भूमिका निभाने की शर्तें रखी थी कि मनुष्य आज्ञाओं को मानें और अपना कर्तव्य निभाएं।

शब्द “नई वाचा” परमेश्वर, अपने पुत्र, यीशु के बलिदान के माध्यम से अपने लोगों के साथ की गई प्रतिबद्धता या समझौते को दर्शाता है।

- परमेश्वर के "नई वाचा" को बाइबल के भाग में समझाया गया जिसे "नया नियम" कहा जाता है।
- यह नई वाचा "पुराने" या "पूर्व" वाचा के विपरीत है जिसे परमेश्वर ने पुराने नियम के समय में इसाएलियों के साथ बांधी थी।
- नई वाचा पुराने की तुलना में उत्तम है क्योंकि यह यीशु के बलिदान पर आधारित है, जो पूर्णरूप से लोगों के पापों के लिए प्रायश्चित्त करता है। पुरानी वाचा के अधीन किए गए बलिदानों ने ऐसा नहीं किया।
- परमेश्वर यीशु पर विश्वास करने वालों के हृदयों पर नई वाचा लिखते हैं। इससे उन्हें परमेश्वर की आज्ञा मानना और पवित्र जीवन जीना शुरू करना पड़ता है।
- नई वाचा पूरी तरह से अंत के समय में पूरी होगी जब परमेश्वर पृथ्वी पर अपना शासन स्थापित करते हैं। सब कुछ एक बार फिर से बहुत अच्छा होगा, जैसा कि परमेश्वर ने पहली बार दुनिया को बनाया था।

### अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुवाद इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, "बन्धक समझौता" या "विधिवत् समर्पण" या "अनुबन्ध" या "वचनबद्धता"।
- कुछ भाषाओं में वाचा बांधने की एक पक्षीय या द्विपक्षीय प्रतिज्ञाओं के अनुसार अलग-अलग शब्द होते हैं। यदि वाचा एक पक्षीय है तो इसका अनुवाद "प्रतिज्ञा" या "प्रण" हो सकता है।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद ऐसा न सुनाई दे कि मनुष्यों ने वाचा को प्रस्तावित किया है। परमेश्वर और मनुष्यों के मध्य सब वाचाओं में परमेश्वर ही वाचा का प्रतिपादक है।
- "नई वाचा" शब्द का अनुवाद "नए औपचारिक समझौते" या "नए समझौते" या "नए अनुबंध" के रूप में किया जा सकता है।
- इन अभिव्यक्तियों में "नया" शब्द का अर्थ "ताजा" या "नए प्रकार का" या "दूसरा" है।

(यह भी देखें: नई वाचा, प्रतिज्ञा)

### बाइबल सन्दर्भः

- [2 राजा 18:11-12](#)
- [2 शमूएल 23:5](#)
- [प्रे.का. 07:6-8](#)
- [निर्गमन 34:10-11](#)
- [गलातियों 03:17-18](#)
- [उत्पत्ति 09:11-13](#)
- [उत्पत्ति 17:7-8](#)
- [उत्पत्ति 31:43-44](#)
- [यहोशु 24:24-26](#)
- [लूका 01:72-75](#)
- [मरकुस 14:22-25](#)

### बाइबल कहानियों से उदाहरणः

- **04:09** फिर परमेश्वर ने अब्राम के साथ एक वाचा बांधी। वाचा दो दलों के बीच एक सहमति होती है।
- **05:04** “मैं इश्माएल को भी एक बड़ी जाति बनाऊंगा, लेकिन मेरी वाचा इसहाक साथ होगी।”
- **06:04** एक लंबे समय के बाद अब्राहम की मृत्यु हो गयी, परमेश्वर ने अब्राहम से जो वाचा बाँधी थी उसके अनुसार, परमेश्वर ने इसहाक को आशीष दी।
- **07:10** परमेश्वर ने अब्राहम की वंशावली के विषय में जो वाचा उससे बाँधी थी, वह अब्राहम से इसहाक और इसहाक से याकूब को दी।”
- **13:02** परमेश्वर ने मूसा से कहा कि वह इसाएलियों से कहे, “लिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टि में याजकों का राज्य और पवित्र जाति ठहरोगे।”

- **13:04** परमेश्वर ने उन्हें **वाचा** दी और कहा, “मैं तेरा परमेश्वर यहोवा हूँ, जो तुझे दासत्व के घर अथार्त मिस्र देश से निकाल लाया है। तू मुझे छोड़ दूसरों को ईश्वर करके न मानना।”
- **15:13** तब यहोशू ने इस्राएलियों को वह **वाचा** याद दिलाई जो उन्होंने परमेश्वर के साथ सीनै पर्वत पर बाँधी थी, कि वह उसका पालन करेगा।
- **21:05** भविष्यवक्ता यिर्मयाह के माध्यम से, परमेश्वर ने वादा किया कि वह एक **नई वाचा** का निर्माण करेगा, लेकिन सिनाई में इस्राएल के साथ की गई वाचा की तरह नहीं। **नई वाचा** में, परमेश्वर लोगों के दिलों पर अपना नियम लिखेगा, लोग परमेश्वर को व्यक्तिगत रूप से जानेंगे, वे उसके लोग होंगे, और परमेश्वर उनके पापों को क्षमा करेगा। मसीहा **नई वाचा** शुरू करेगा।
- **21:14** मसीह की मृत्यु और पुनरुत्थान के माध्यम से, परमेश्वर पापियों को बचाने और **नई वाचा** शुरू करने की अपनी योजना को पूरा करेगा।
- **38:05** तब यीशु ने एक प्याला लिया और कहा, “इसे पी लौ। यह मेरी **नई वाचा** का लहू है जो पापों की क्षमा के लिए बहाया जाता है। इसे पी कर हर बार मुझे याद करने के लिए करें।”
- **48:11** लेकिन परमेश्वर ने अब एक **नई वाचा** बाँधी है जो सभी के लिए उपलब्ध है। इस **नई वाचा** के कारण, किसी भी समूह का कोई भी व्यक्ति यीशु पर विश्वास करके परमेश्वर के लोगों का हिस्सा बन सकता है।

**शब्द तथ्य:**

- Strong's: H1285, H2319, H3772, G802, G1242, G4934

**वाचा का सन्दूक****परिभाषा:**

ये शब्द एक विशेष लकड़ी के सन्दूक के लिए है, जिस पर सोने की परत चढ़ाई हुई थी। उसमें दस आज्ञाओं की पत्थर

की दो पट्टियां थीं। उसमें हारून की लाठी और मन्त्रा का मर्तबान भी था।

- सन्दूक का अनुवाद “बक्सा”, “पेटी” और “तिजोरी” भी किया जा सकता है। इस सन्दूक में रखी वस्तुएं इस्राएल को परमेश्वर की वाचा का स्मरण कराती थीं।
- वाचा का सन्दूक “परमपवित्र स्थान” में रखा हुआ था।
- मिलाप वाले तम्बू में परमेश्वर की उपस्थिति परमपवित्र स्थान में वाचा के सन्दूक के ऊपर थी। वहां वह इस्राएलियों के लिए मूसा से बातें करता था।
- जिस समय वाचा का सन्दूक मन्दिर के परमपवित्र स्थान में था, उस समय केवल प्रधान पुरोहित उस सन्दूक के निकट जा सकता था और वह भी वर्ष में एक बार प्रायश्चित्त दिवस पर।
- अनेक अंग्रजी अनुवादों में “वाचा के आदेशों” का अनुवाद शब्दश: “साक्षी(टेस्टीमनी)” किया गया है। यह इस तथ्य का संदर्भ देता है कि दस आज्ञाएं प्रजा के साथ परमेश्वर की वाचा की साक्षी या गवाही हैं। इसका अनुवाद “वाचा का विधान” भी किया गया है।

(यह भी देखें: सन्दूक, वाचा, प्रायश्चित्त, पवित्र स्थान, साक्षी, गवाह)

**बाइबल सन्दर्भ:**

- [1 शमूएल 06:14-15](#)
- [निर्गमन 25:10-11](#)
- [इब्रानियों 09:3-5](#)
- [न्यायियों 20:27-28](#)
- [गिनती 07:89](#)
- [प्रकाशितवाक्य 11:19](#)

**शब्द तथ्य:**

- Strong's: H727, H1285, H3068

## वाचा की विश्वासयोग्यता

### परिभाषा:

बाइबिल के समय में, "वाचा विश्वास" के रूप में अनुवादित शब्द का उपयोग उस विश्वासयोग्यता, निष्ठा, दया, और प्रेम का वर्णन करने के लिए किया गया था जो दोनों लोगों के बीच उम्मीद और प्रदर्शन करते थे जो एक-दूसरे से निकटता से संबंधित थे, या तो शादी या खून से। इस शब्द का उपयोग अक्सर बाइबिल में किया जाता है ताकि यह वर्णन किया जा सके कि परमेश्वर अपने लोगों से संबंधित है, विशेष रूप से उनके द्वारा किए गए वादों को पूरा करने के लिए उनकी प्रतिबद्धता।

- इस शब्द का अनुवाद निर्भर करेगा कि "वाचा" और "विश्वासयोग्यता" अनुवाद कैसे किया गया है।
- इस शब्द के अनुवाद की अन्य विधियां हैं, "विश्वासयोग्य प्रेम" या "निष्ठावान समर्पित प्रेम" या "प्रेमपूर्ण निर्भरता"।

(यह भी देखें: वाचा, विश्वास, अनुग्रह, इसाएल, परमेश्वर की प्रजा, प्रतिज्ञा)

### बाइबल सन्दर्भः

- [एज्या 03:10-11](#)
- [गिनती 14:17-19](#)

### शब्द तथ्यः

- Strong's: H2617

## वादी

### परिभाषा:

शब्द "वादी" एक मौसमी धारा, मौसमी नदी, या एक घाटी को संदर्भित करता है जो वर्ष के कुछ हिस्से के दौरान एक धारा का तल होता है।

- एक "वादी" में साल के कुछ हिस्से में पानी होता है और साल के कुछ हिस्से में सूखा रहता है।
- जब एक "वादी" में पानी होता है, तो इसमें कितना पानी होता है यह इस बात पर निर्भर करता है कि साल का कौन सा समय है और उस क्षेत्र में कितनी बारिश हुई है और वादी कितनी बड़ी है।

### अनुवाद सुझावः

- "वादी" का अनुवाद करने के तरीके में "मौसमी धारा" या "मौसमी धारा तल" या "नदी का सागर" या "नदी तल" शामिल हो सकते हैं

### बाइबल संदर्भः

### शब्द सूचीः

- स्ट्रॉन्ग का:

## विधि

### परिभाषा:

विधि सार्वजनिक नियम या विधान होता है जिसमें जनता द्वारा पालन करने का निर्देशन एवं नियम होते हैं। यह शब्द "अभिषेक" का समानार्थक शब्द है।

- कभी-कभी नियम वर्षों के अभ्यास के बाद स्थापित प्रथा भी होता था।
- बाइबल में अध्यादेश या परमेश्वर की आज्ञाएं परमेश्वर द्वारा इसाएलियों के दिए गए निर्देश थे कि उन्हें क्या करना है और क्या नहीं करना है। कभी-कभी परमेश्वर ने उन्हें हमेशा के लिए ऐसा करने का आदेश दिया।
- "आज्ञाओं" को "सार्वजनिक आदेश" या "नियम" या "विधान" अनुवाद किया जा सकता है परन्तु प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: आज्ञा, आदेश, नियम, अभिषेक करना, विधि)

**बाइबल सन्दर्भ:**

- [व्यवस्थाविवरण 04:13-14](#)
- [निर्गमन 27:20-21](#)
- [लैव्यव्यवस्था 08:31-33](#)
- [मलाकी 03:6-7](#)

**शब्द तथ्यः**

- Strong's: H2706, H2708, H4687, H4931, H4941, G1296, G1345, G1378, G1379, G2937, G3862

**विधि****परिभाषा:**

विधि विशेष लिखित नियम हैं जो मनुष्यों के जीवन-आचरण के लिए मार्गदर्शन प्रदान करता है।

- "विधि" शब्द अर्थ में "अध्यादेश" और "आज्ञा" और "नियम" और "आदेश" के समान है। इन सभी शब्दों में वे निर्देश और अनिवार्यताएं हैं जिन्हें परमेश्वर ने अपने लोगों को दिया है या शासक अपनी प्रजा को देता है।
- राजा दाऊद कहता था कि वह यहोवा की विधियों से प्रसन्न रहता था।
- "विधि" का अनुवाद "विशिष्ट आज्ञाएं" या "विशेष आदेश" रूप मैं किया जा सकता है।

(यह भी देखें: आज्ञा, आदेश, कानून, अध्यादेश, यहोवा)

**बाइबल के सन्दर्भ:**

- [1 राजा 11:11-13](#)
- [व्यवस्थाविवरण 6:20-23](#)
- [यहेजकेल 33:15](#)
- [गिनती 19:2](#)

**शब्द तथ्यः**

- Strong's: H2706, H2708, H7010, G1345

**विनती****परिभाषा:**

"विनती" अर्थात् किसी से किसी बात का साग्रह निवेदन करना। इसका संदर्भ पैसा मांगने से है परन्तु इसका अभिप्राय किसी बात का निवेदन करने से भी है।

- मनुष्य घोर आवश्यकता में विनती या याचना करता है परन्तु प्राप्त करने का निश्चय नहीं होता है।
- "भिखारी" वह मनुष्य है जो सार्वजनिक स्थानों में बैठकर या खड़ा होकर मनुष्यों से पैसा मांगता है।

प्रकरण के अनुवाद इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, "विनती करना" या "साग्रह निवेदन करना" या "पैसा मांगना" या "सदैव पैसा मांगते रहना"

(यह भी देखें: निवेदन)

**बाइबल सन्दर्भः**

- [लूका 16:20](#)
- [मरकुस 6:56](#)
- [मत्ती 14:36](#)
- भजन 45:12-13

**बाइबल की कहानियों के उदाहरणः**

- **10:4** परमेश्वर ने सारे मिस देश में मेंढकों को भेज दिया। फिरौन ने मेंढकों को दूर ले जाने के लिये मूसा से **विनती की**।
- **29:8** तब राजा ने उसे बुलाकर उस से कहा, “हे दुष्ट दास, तू ने जो मुझ से **विनती की**, तो मैं ने तेरा वह पूरा कर्ज़ क्षमा कर दिया।”
- **32:7** दुष्टात्मा ने यीशु से बहुत **विनती की**, “हमें इस प्रदेश से बाहर न भेज।” वहाँ पहाड़ पर सूअरों का एक बड़ा झुण्ड चर रहा था। दुष्टात्मा ने उससे **विनती करके** कहा “कृपया हमें उन सूअरों में भेज दे कि हम उनके भीतर जाए!”
- **32:10** तो वह आदमी जिसमें पहले दुष्टात्मा थी, “यीशु के साथ जाने विनती करने लगा।”
- **35:11** उसका पिता बाहर आया और उसे सबके साथ जश्न मनाने के लिये उससे **विनती करने** लगा परन्तु उसने मना कर दिया।”
- **44:1** एक दिन पतरस और यूहन्ना प्रार्थना करने के लिये मन्दिर में जा रहे थे। तब उन्होंने एक लंगड़ु भिखारी को देखा जो पैसों के लिए भीख माँग रहा था।

**शब्द तथ्यः**

- स्ट्रोंग्स: H0034, H7592, G01540, G18710, G43190, G44340

**विपत्ति****परिभाषा:**

“क्लेश” शब्द का अर्थ है, कठिनाइयां, कष्ट और विपत्ति।

- नये नियम में लिखा है कि एल समय ऐसा आएगा जब मसीही विश्वासियों को सताव तथा अन्य प्रकार के क्लेशों का सामना करना पड़ेगा क्योंकि इस संसार में अनेक मनुष्य यीशु की शिक्षाओं के विरोधी होंगे।
- “क्लेश” का अनुवाद हो सकता है, “घोर पीड़ा का समय” या “भयानक कष्टों का समय” या “महान परेशानियों का समय”।

(यह भी देखें: पृथ्वी, शिक्षा देना, प्रकोप)

**बाइबल सन्दर्भः**

- [मरकुस 4:17](#)
- [मरकुस 13:19](#)
- [मत्ती 13:20-21](#)
- [मत्ती 24:9](#)
- [मत्ती 24:29](#)
- [रोमियो 2:9](#)

**शब्द तथ्यः**

- स्ट्रोंग्स: H6869, G2347, G4423

**विरोधी****परिभाषा:**

“विरोधी” वह मनुष्य (या समुदाय) है जो किसी के विरुद्ध हो। “बैरी” शब्द का भी यही अर्थ है।

- बैरी वह मनुष्य है जो किसी दूसरे मनुष्य का विरोध करता है या उसको हानि पहुंचाता है।
- जब दो राष्ट्रों की लड़ाई होती है, तो एक को दूसरे का “शत्रु” कहा जा सकता है।
- बाइबल में शैतान को “विरोधी” या “बैरी” कहा गया है।
- “बैरी” का अनुवाद “विरोधी” या “शत्रु” किया जा सकता है परन्तु यह शब्द विरोध का अधिक प्रबल भाव व्यक्त करता है।

(यह भी देखें: शैतान)

**ब्राह्मण सन्दर्भ:**

- [1 तीमुथियुस 05:14](#)
- [यशायाह 09:11](#)
- [अय्यूब 06:23](#)
- [विलाप. 04:12](#)
- [लूका 12:59](#)
- [मत्ती 13:25](#)

**शब्द तथ्यः**

- स्ट्रोंग्स: H341, H6146, H6887, H6862, H6965, H7790, H7854, H8130, H8324, G476, G480, G2189, G2190, G5227

**विलाप करना****परिभाषा:**

"विलाप करना" "विलाप" शब्द शोक, दुःख या विषाद की प्रबल भावना के सन्दर्भ देते हैं।

कभी-कभी इसमें पाप के लिए गहन पछतावा या आपदाग्रस्त मनुष्य के प्रति अनुकंपा का भाव भी होता है।

- विलाप में कराहना, रोना या छाती-पीटना हो सकता है।

**अनुवाद के सुझावः**

- "विलाप करना" का अनुवाद हो सकता है, "गहरा शोक" या "दुख से छाती पीटना" या "दुःखी होना"।
- "विलाप" (या "विलाप करना") का अनुवाद हो सकता है, "चिल्ला-चिल्ला कर रोना और छाती पीटना" या "गहरा दुःख" या "दुःख भरा रुदन" या "दुःख भारी आहें"।

**ब्राह्मण सन्दर्भ:**

- [आमोस 8:9-10](#)
- [यहेजकेल 32:1-2](#)
- [यिर्म्याह 22:18](#)
- [अय्यूब 27:15-17](#)
- [विलापगीत 2:5-6](#)
- [विलापगीत 2:8](#)
- [मीका 02:4](#)
- भजन संहिता 102:1-2
- [जकर्याह 11:2](#)

**शब्द तथ्यः**

- स्ट्रोंग्स: H0056, H0421, H0578, H0592, H1058, H4553, H5091, H5092, H5594, H6088, H6969, H7015, H8567, G23540, G23550, G28700, G2875

**विवाह****परिभाषा:**

शब्द "विवाह" एक पुरुष और एक महिला के बीच औपचारिक मिलन को संदर्भित करता है जिसमें वे एक सार्वजनिक रूप से मान्यता प्राप्त, और अक्सर कानूनी रूप से मान्यता प्राप्त, संबंध में जुड़े जाते हैं।

- विवाह सम्बन्ध की शुरूआत परमेश्वर से हुई। परमेश्वर ने विवाह सम्बन्ध की स्थापना की और उसने आदम और हव्वा के बीच पहला विवाह आरंभ किया।
- परमेश्वर ने कई कारणों से विवाह की स्थापना की। परमेश्वर ने विवाह की स्थापना इसलिए की ताकि बच्चों को एक स्वस्थ और सुरक्षित वातावरण मिले जिसमें उनका पालन-पोषण हो सके, ताकि लोगों को उसके वाचा के लोगों के साथ उसके रिश्ते का एक दृश्य सांसारिक प्रदर्शन मिल सके और ताकि पुरुष और महिलाएं जो एक-दूसरे से विवाहित हैं एक-दूसरे की मदद कर सकें और एक-दूसरे की ताकत और कमज़ोरियों को पूरा कर सकें।
- विवाह समारोह (जिसे "शादी" कहा जाता है) में दूल्हा वह पुरुष होता है जो दुल्हन (महिला) से विवाह करेगा।
- बाइबल सिखाती है कि विवाह पर रोक नहीं लगायी जानी चाहिए।
- परमेश्वर ने पुराने और नये दोनों नियमों में व्यभिचार को सख्ती से निषेधित किया है।
- नया नियम सिखाता है कि जो लोग यीशु में विश्वास करते हैं उन्हें अविश्वासियों से विवाह नहीं करना चाहिए।
- यीशु ने सिखाया कि स्वर्ग में कोई विवाह नहीं होगा।

#### अनुवाद सुझाव:

उस शब्द का उपयोग करें जो आपकी भाषा में एक पुरुष और एक महिला के बीच विवाह संबंध को संदर्भित करता है।  
(यह भी देखें: दूल्हा, दुल्हन, व्यभिचार, हव्वा, आदम)

#### बाइबल संदर्भ:

#### शब्द विवरण:

#### परिभाषा:

विवेक मनुष्य की सोच का हिस्सा है जिसके द्वारा परमेश्वर उसे जागरूक करता है जब वह कुछ पाप करता है।

- परमेश्वर ने मनुष्य को विवेक दिया कि वह उचित और अनुचित में अन्तर कर पाए।
- जो मनुष्य परमेश्वर की आज्ञा मानता है उसके लिए कहा जाता है कि उसका विवेक "शुद्ध" या "स्वच्छ" या "निर्मल" है।
- यदि मनुष्य का विवेक स्वच्छ है तो इसका अर्थ है कि वह किसी भी पाप को छिपा नहीं रहा है।
- यदि मनुष्य अपने विवेक की बात न सुने और पाप करते समय उसे अपराध-बोध न हो तो इसका अर्थ है कि उसका विवेक अनुचित कार्य के प्रति संवेदनशील नहीं है। बाइबल इसे दागा गया विवेक कहती है, जिस पर ऐसा चिन्ह लगा है जैसा गर्म लोहे से दागा जाता है। ऐसे विवेक को "संवेदनरहित" या "प्रदूषित" कहा जाता है।
- इस शब्द के संभावित अनुवाद हो सकते हैं, "आन्तरिक नैतिक पथ प्रदर्शन" या "नैतिक विचार"

#### बाइबल संदर्भ:

- [1 तीमुथियस 01:18-20](#)
- [1 तीमुथियस 03:8-10](#)
- [2 कुरिच्चियो 05: 11-12](#)
- [2 तीमुथियस 01:3-5](#)
- [रोमियो 09:1-2](#)
- [तीतस 01:15-16](#)

#### शब्द तथ्य:

- Strong's: G4893

## विश्वास

### परिभाषा:

सामान्यतः "विश्वास" का अर्थ है किसी मनुष्य या वस्तु में आस्था, भरोसा या "विश्वास"।

- किसी में "विश्वास होना" अर्थात् स्वीकार करना कि वह जो कहता और करता है वह सच है और विश्वासयोग्य है।
- "यीशु में विश्वास" का अर्थ है, यीशु के बारे में परमेश्वर की सब शिक्षाओं को मानना। इसका अर्थ विशेष करके यह है मनुष्य यीशु में और उसकी पाप मोक्षक बलि में तथा पाप के दण्ड से उनकी मुक्ति में विश्वास करते हैं।
- यीशु में सच्चा विश्वास मनुष्य में आत्मिक फल या अच्छा व्यवहार उत्पन्न करता है क्योंकि उसमें पवित्र आत्मा का अन्तर्वास होता है।
- कभी-कभी "विश्वास" शब्द यीशु के बारे में सब शिक्षाओं के बारे में सामान्य संदर्भ में होता है। जैसा इस अभिव्यक्ति में है, "विश्वास के सत्य"
- "विश्वास को थामे रहना" तथा "विश्वास को त्याग देना" इनके सन्दर्भ में "विश्वास" शब्द का सन्दर्भ यीशु के बारे में सब शिक्षाओं पर विश्वास करने की दशा या अवस्था से होता है।

### अनुवाद के सुझाव:

- कुछ संदर्भों में "विश्वास" का अनुवाद "आस्था-श्रद्धा" या "अंगीकार" या "निश्चय" या "भरोसा" किया जा सकता है।
- कुछ भाषाओं में इन शब्दों का अनुवाद "विश्वास करना" क्रिया के रूपों द्वारा किया जा सकता है। भाववाचक संज्ञा
- यह अभिव्यक्ति, "विश्वास को थामे रहो", इसका अनुवाद हो सकता है, "यीशु में विश्वास करते रहो" या "यीशु में विश्वास बनाए रखो"
- यह वाक्य, "उनको विश्वास के गहन सत्यों को थाम कर रखना है" इसका अनुवाद हो सकता है, "उनको यीशु के बारे में उन सब सत्यों पर विश्वास करना आवश्यक है जिनकी शिक्षा उनको दी जा चुकी है"
- यह अभिव्यक्ति, "विश्वास में मेरा सच्चा पुत्र", इसका अनुवाद हो सकता है, "वह मेरे पुत्र के जैसा है क्योंकि मैं ने उसको यीशु में विश्वास करना सिखाया है" या "मेरा सच्चा आत्मिक पुत्र जो यीशु में विश्वास करता है"

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वासयोग्य)

**बाइबल सन्दर्भ:**

- [2 तीमुथियुस 4:7](#)
- [प्रे.का. 6:7](#)
- [गलतियों 2: 20-21](#)
- [याकूब 2:20](#)

**बाइबल कहानियों के उदाहरणः**

- **5:6** जब इसहाक जवान था, तो परमेश्वर अब्राहम के **विश्वास** की परीक्षा लेते हुए कहा, की अपने एकमात्र पुत्र को लेकर मेरे निमित्त बलि कर दे।
- **31:7** फिर उसने (यीशु ने) पतरस से कहा, "हे अल्प- **विश्वासी** तू ने संदेह क्यों किया?"
- **32:16** यीशु ने उससे कहा, "तेरे **विश्वास** ने तुझे चंगा किया है। शान्ति से जा।"
- **38:9** यीशु ने पतरस से कहा, "शैतान तुम सबकी परीक्षा लेना चाहता है, परन्तु मैंने तेरे लिये प्रार्थना की है, पतरस, तेरा **विश्वास** कमज़ोर नहीं होगा।

**शब्द तथ्यः**

- स्ट्रोंग्स: H0529, H0530, G16800, G36400, G41020, G60660

**विश्वास****परिभाषा:**

किसी वस्तु या व्यक्ति में "विश्वास रखने का तात्पर्य है, उस वस्तु या व्यक्ति सच्चा एवं निर्भर करने योग्य है। उस विश्वास को "भरोसा" भी कहा जाता है। "विश्वासयोग्य" मनुष्य वह है जिस पर भरोसा किया जा सकता है कि वह उचित और सत्य को कहे और करे, और इसलिए वह मनुष्य जिसमें विश्वासयोग्यता का गुण है।

- भरोसा, विश्वास से संबन्धित है जब हम किसी पर भरोसा करते हैं तब हम उस पर विश्वास करते हैं कि उसने जिस बात की प्रतिज्ञा की है उसे वह पूरा करेगा।
- किसी में विश्वास करने का अर्थ है, उस पर निर्भर रहना।
- मसीह "में विश्वास" करने का अर्थ है, विश्वास करना कि वह परमेश्वर है, विश्वास करना कि वह हमारे पापों का दण्ड उठाने के लिए कूस पर मरा और हमारे उद्धार के लिए उस पर निर्भर रहना।
- "एक "विश्वासयोग्य कथन" का सन्दर्भ उस बात से है जो कही गई है और उस पर सत्य होने का भरोसा किया जा सकता है।

**अनुवाद के लिए सुझावः**

- "विश्वास" शब्द का अनुवाद हो सकता है, "भरोसा" या "यकीन" या "पक्की आशा" या "निर्भर रहना"
- "में विश्वास रखो" का अर्थ "भरोसा रखने" से मिलता जुलता है।
- शब्द "विश्वासयोग्य" का अनुवाद हो सकता है, "निर्भर करने योग्य" या "विश्वास के योग्य" या "सदैव भरोसा करने योग्य"

(यह भी देखें: विश्वास, आत्मविश्वास, विश्वास, विश्वासयोग्य, सत्य)

### बाईबल संदर्भ:

- [1 इतिहास 9:22-24](#)
- [1 तीमुथियुस 4:9](#)
- [होशे 10:12-13](#)
- [यशा. 31:1-2](#)
- [नहेमायाह 13:13](#)
- भजन 31:5
- [तीतुस 3:8](#)

### बाईबल कहानियों के उदाहरणः

- **12:12** जब इसाएलियों ने देखा कि मिस के लोग मारे गए हैं, तो उन्होंने परमेश्वर पर **विश्वास किया** और विश्वास करने लगे कि मूसा परमेश्वर का एक नबी है।
- **\_14:15\_** यहोशू एक अच्छा अगुआ था क्योंकि वह परमेश्वर पर **विश्वास करता था** वह उसकी आज्ञाओं का पालन करता था।
- **\_17:2\_** दाऊद एक बहुत ही नम्र व धर्मी पुरुष था, जो परमेश्वर पर **विश्वास** और उसकी आज्ञाओं का पालन करता था।
- **34:6** फिर यीशु ने उन लोगों के बारे में एक कहानी बताई जो अपने स्वयं के अच्छे कर्मों पर **विश्वास** रखते थे और अन्य लोगों के साथ घृणा करते थे।

### शब्द तथ्यः

- स्ट्रोंग्स: H0539, H0982, H1556, H2620, H2622, H3176, H4009, H4268, H7365, G16790, G38720, G39820, G40060, G41000, G42760

## विश्वास करना

### परिभाषा:

“विश्वास करना” और “में विश्वास करना” निकट संबन्ध में हैं परन्तु इसके अर्थ में अन्तर तो है परन्तु बहुत कम है।

### 1. विश्वास करना

- किसी बात पर विश्वास करना अर्थात् स्वीकार करना या भरोसा रखना की यह सच है।
- किसी पर विश्वास करना अर्थात् यह मानना की उस व्यक्ति ने जो कहा वह सच है।

### 2. में विश्वास करना

- किसी व्यक्ति पर “विश्वास करने” का अर्थ है, उस व्यक्ति पर “भरोसा” रखना। भरोसा करने का अर्थ है, कोई व्यक्ति वही है जो वह कहता है कि वह है, और कि वह सदा सत्य बोलेगा और वह किसी काम को करने की प्रतिज्ञा करता है तो उसको पूरी करेगा।
- जब कोई व्यक्ति वास्तव में किसी बात में विश्वास करता है, तो उसका व्यवहार ऐसा होगा कि उसका विश्वास प्रकट हो।
- यह वाक्यांश “में विश्वास करना” का अर्थ वही है जो “में विश्वास” का है।
- “मसीह पर विश्वास” करने का अर्थ है विश्वास करना कि वह परमेश्वर का पुत्र है, वह स्वयं परमेश्वर है जो मनुष्य बना और हमारे पापों का दण्ड उठाने के लिए बलि होकर मारा गया। इसका अर्थ है, उस पर भरोसा रखना कि वह उद्धारक है और ऐसा जीवन जीना जिससे उसका सम्मान हो।

### 3. विश्वासी

बाईबल में “विश्वासी” शब्द का सन्दर्भ उस मनुष्य से है जो मसीह यीशु में विश्वास रखता है और अपना उद्धारक होने के लिए उस पर भरोसा रखता है।

### अनुवाद के सुझावः

- “विश्वासी” शब्द का वास्तविक अर्थ है, “विश्वास करने वाला मनुष्य।”
- “मसीही” शब्द अंततः विश्वासियों का पदनाम हो गया क्योंकि इसके द्वारा संकेत मिलता है कि वे मसीह में विश्वास करते हैं और उसकी शिक्षाओं पर चलते हैं।

### 4. अविश्वास

“अविश्वास शब्द का अर्थ है, किसी मनुष्य या वस्तु पर विश्वास नहीं करना।

- बाईंबल में "अविश्वास" का अर्थ है, यीशु में उद्धारक होने का विश्वास नहीं करना, भरोसा नहीं रखना।
- मनुष्य जो यीशु में विश्वास नहीं करता है उसको "अविश्वासी" कहा जाता है।

### अनुवाद के सुझाव

- "विश्वास करना" का नौवाद किया जा सकता है, जानना कि सच है" या "जानना कि न्यायोचित है"
- "मैं विश्वास करना" का अनुवाद हो सकता है, "पुर्णतः भरोसा रखना" या "भरोसा रखना और आज्ञा मानना" या "पूर्ण निर्भर करना और अनुसरण करना"
- कुछ अनुवादों में "यीशु के विश्वासी" या "मसीह के विश्वासी" कहना वरीयता में रखा गया है।
- इस शब्द का अनुवाद एक ऐसे शब्द या वाक्यांश द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ हो, "यीशु पर भरोसा रखने वाला मनुष्य" या "मनुष्य जो यीशु को जानता है और उसके लिए जीता है"
- "विश्वासी" शब्द का अनुवाद करने की अन्य विधियां हो सकती हैं, "यीशु का अनुयायी" या "मनुष्य जो यीशु को जानता है और उसका आशाकारी है"
- "विश्वासी" शब्द किसी भी विश्वासी के लिए एक सर्वनिष्ठ शब्द है जबकि "शिष्य" और "प्रेरित" शब्द मुख्यतः उन मनुष्यों के लिए विशिष्टता में काम में लिया गया था जिन्होंने यीशु को उसके पार्थिव जीवन में देखा था। इन शब्दों का अनुवाद अलग-अलग करना ही उचित होगा जिससे कि वे पृथक हों।
- "अविश्वास के अनुवाद के अन्य रूप हो सकते हैं, "विश्वास की कमी" या "विश्वास नहीं करना"
- "अविश्वासी" शब्द का अनुवाद किया जा सकता है, "यीशु में विश्वास नहीं करने वाला मनुष्य" या "यीशु में उद्धारक होने का विश्वास नहीं करने वाला मनुष्य"

विश्वास करना

(यह भी देखें: विश्वास करना, प्रेरित, मसीही, शिष्य, विश्वास,  
भरोसा)

विश्वास करना

**बाईबल सन्दर्भ:**

- [उत्पत्ति 15:6](#)
- [उत्पत्ति 45:26](#)
- [अय्यूब 9:16-18](#)
- [हुबकूक 1:5-7](#)
- [मरकुस 6:4-6](#)
- [मरकुस 1:14-15](#)
- [लूका 9:41](#)
- [यूहन्ना 1:12](#)
- [प्रे.का 6:5](#)
- [प्रे.का. 9:42](#)
- [प्रे.का. 28:23-24](#)
- [रोमियों 3:3](#)
- [1 कुरिन्थियों 6:1](#)
- [1 कुरिन्थियों 9:5](#)
- [2 कुरिन्थियों 6:15](#)
- [इब्रानियों 3:12](#)
- [1 यूहन्ना 3:23##](#)बाईबल की कहानियों के उदाहरण

**बाईबल की कहानियों के उदाहरण:**

- **3:4** नूह ने लोगों को बाढ़ के विषय में चेतावनी दी, और कहा कि परमेश्वर की ओर मन फिराओ पर उन्होंने नूह पर **विश्वास** नहीं किया।
- **4:8** अब्राम ने परमेश्वर की प्रतिज्ञा पर **विश्वास** किया। परमेश्वर ने घोषित किया कि अब्राम धर्मी है, क्योंकि उसने परमेश्वर की वाचा पर **विश्वास किया** है।
- **11:2** परमेश्वर ने कहा, जो मनुष्य उस पर **विश्वास करेंगा** उसके पहिलौठे पुत्र को बचाने का का मार्ग उसने तैयार कर दिया है।
- **11:6** परन्तु मिस्र के लोग परमेश्वर पर **विश्वास** नहीं करते थे या उसकी आज्ञा का पालन नहीं करते थे।

- 37:5 यीशु ने उससे कहा, “पुनरुत्थान और जीवन मैं ही हूँ। जो कोई मुझ पर **विश्वास करता** है वह यदि मर भी जाए तौभी जीएगा। और हर कोई जो मुझ पर **विश्वास करता** है वह कभी न मरेगा। क्या तू इस बात पर **विश्वास करती है?**”
- 43:1 यीशु के स्वर्ग लौटने के बाद, चेले यरूशलेम में ही रहे क्योंकि यीशु ने उन्हें ऐसा करने की आज्ञा दी थी। वहाँ के विश्वासी लगातार प्रार्थना करने के लिए इकट्ठे होते थे।
- 43:3 जब सब **विश्वासी\_एक साथ** थे, अचानक वह घर जहाँ वे थे एक तेज आवाज की वायु से भर गया। उन्हें आग के समान जीभें फटती हुई दिखाई दी और उनमें से हर एक **विश्वासी** पर आ ठहरी।
- 43:13 प्रतिदिन, बहुत से लोग **\_विश्वासी\_बनते गये।**
- 45:6 उस दिन से यरूशलेम में बहुत से लोगों ने यीशु के अनुयायियों को सताना शुरू कर दिया, इसलिए **विश्वासी** अन्य स्थानों पर भाग गए। लेकिन इसके बावजूद, जहाँ भी वे गए उन्होंने यीशु के बारे में प्रचार किया।
- 46:1 शाऊल वह युवक था, जिसने स्तिफनुस की हत्या करने वाले लोगों के परिधानों पर पहरा दिया था। वह यीशु पर विश्वास नहीं करता था, इसलिए उसने **विश्वासियों** को सताया।
- 46:9 कुछ **विश्वासी** यरूशलेम के क्लेश के कारण तितर-बितर हो गए थे, और उन्होंने अन्ताकिया में पहुँच कर यीशु के बारे में प्रचार किया।
- 47:14 उन्होंने कलीसियाओं में **विश्वासियों** को प्रोत्साहित करने और सिखाने के लिए कई पत्र भी लिखे।

**शब्द तथ्य:**

- स्ट्रोंग्स: H0539, H0540, G05430, G05440, G05690, G05700, G05710, G39820, G41000, G41020, G41030, G41350

**विश्वासयोग्य****परिभाषा:**

परमेश्वर के प्रति “विश्वासयोग्य” होना का अर्थ परमेश्वर की शिक्षाओं पर निरंधर चलते रहने से है। अर्थात् उसे पालन करने के द्वारा उसके प्रति वफादार होना। विश्वासयोग्य होने की अवस्था या स्थिति को “विश्वासयोग्यता” कहते हैं।

- विश्वासयोग्य मनुष्य पर प्रतिज्ञा पूर्ति का भरोसा किया जा सकता है और मनुष्यों के प्रति दायित्ववहन का भी विश्वास किया जा सकता है।
- विश्वासयोग्य मनुष्य किसी काम को करने में यत्नशील रहता है चाहे वह दीर्घकालीन एवं कठिन भी क्यों न हो।
- परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्य होना, परमेश्वर हमसे जो चाहता है उसे लगातार करते रहने का अभ्यास है।

**अनुवाद के सुझाव:**

- अनेक संदर्भों में “विश्वासयोग्य” का अनुवाद “स्वामीभक्ति” या “समर्पित” या “निर्भर करने योग्य” भी किया जा सकता है।
- अन्य संदर्भों में “विश्वासयोग्य” ऐसे शब्दों या उक्तियों द्वारा अनुवाद किया जा सकता है जिनका अर्थ हो, “विश्वास करते रहना” या “परमेश्वर में विश्वास करने और उसके आज्ञापालन में लगे रहना”।
- “विश्वासयोग्य” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “विश्वास में यत्नशील रहना” या “स्वामीभक्ति” या “विश्वसनीयता” या “परमेश्वर में विश्वास एवं आज्ञापालन”

(यह भी देखें: विश्वास, विश्वास)

**बाइबल सन्दर्भः**

- [1 शमूएल 02:9](#)
- [1 थिसलुनीकियों 05:23-24](#)
- [3 यूह. 01:5-8](#)
- [कुलस्त्रियों 01: 7-8](#)
- [उत्पत्ति 24:49](#)
- [यशायाह 1:26](#)
- [यहोशू 02:14](#)
- [लूका 16: 10-12](#)
- [गिनती 12:6-8](#)
- [नीतिवचन 11:12-13](#)
- भजन 012:1

**बाइबल कहानियों के उदाहरणः**

- **08:05** यहाँ तक की बंदीगृह में भी यूसुफ परमेश्वर के प्रति **निष्ठावान** रहा और परमेश्वर ने उसे आशीष दी।
- **14:12** फिर भी, परमेश्वर अपनी वाचा पर **निष्ठावान** रहा जो उसने अब्राहम, इसहाक, व याकूब से बाँधी थी।
- **15:13** लोग ने वाचा बाँधी थी कि वे परमेश्वर के प्रति **निष्ठावान** रहेंगे व उसकी आज्ञाओं का पालन करेंगे।
- **17:09** दाऊद ने कई वर्षों तक न्याय व **निष्ठा** के साथ शासन किया, और परमेश्वर ने उसे आशीर्वाद दिया। हालांकि, अपने जीवन के अंतिम पड़ाव में उसने परमेश्वर के विरुद्ध भयानक अपराध किया।
- **18:04** तब परमेश्वर ने सुलैमान पर क्रोध किया, और उसकी **अधार्मिकता** के कारण उसे दंड दिया, और वाचा बाँधी कि सुलैमान की मृत्यु के बाद वह इस्लाम के राज्य को दो भागों में विभाजित कर देंगा।
- **35:12** “उसने पिता को उत्तर दिया कि, ‘देख, मैं इतने वर्ष आप के लिये **ईमानदारी** से काम कर रहा हूँ,

- 49:17 परन्तु परमेश्वर विश्वासयोग्य है और यह कहता है कि यदि तुम अपने पापों को मान लो, तो वह तुम्हें क्षमा करेगा।
- 50:04 यदि तुम अन्त तक मेरे प्रति वफादार रहोगे, तो परमेश्वर तुम्हें बचाएगा!"

**शब्द तथ्यः**

- Strong's: H529, H530, H539, H540, H571, G4103

**विषय-वस्तु****तथ्यः**

इस अर्थ में प्रयुक्ति, "विषय" शब्द किसी चीज़ का विषय या केंद्र होने का संकेत देता है, जैसे कि, "आप उपहास का विषय होंगे।"

- संदर्भ के आधार पर, शब्द "विषय" का अनुवाद "विषय" या "बातचीत का विषय" या "बातचीत का केंद्र" या "विषयवस्तु" के रूप में किया जा सकता है।

**बाइबल संदर्भः****शब्द सूचीः****वीणा****परिभाषा:**

वीणा, एक तारवाला वाद्य यन्त्र होता था जिसकी बड़ी चौखट में तार लागे होते थे।

- बाइबल के युग में सनौवर की लकड़ी से वीणा एवं अन्य वाद्ययंत्र बनाए जाते थे।
- वीणा हाथ में उठाकर चलते हुए बजाई जाती थी।
- बाइबल में अनेक उदाहरणों में वीणा परमेश्वर की स्तुति एवं उपासना में बजाई जाती थी।
- दाऊद के अनेक भजन लिखे जो वीणा के संगीत पर रचे गए थे।
- वह राजा शाऊल की परेशान आत्मा को शान्ति देने के लिए भी वीणा बजाता था।

(यह भी देखें: दाऊद, सनौवर, भजन, शाऊल (पुराना नियम))

**बाइबल सन्दर्भः**

- [1 इतिहास 15:16–18](#)
- [आमोस 5:23–24](#)
- [दानियेल 3:3–5](#)
- भजन संहिता 33:1–3
- [प्रकाशितवाक्य 5:8](#)

**शब्द तथ्यः**

- Strong's: H3658, H5035, H5059, H7030, G2788, G2789, G2790

**वीणा****परिभाषा:**

"वीणा" और "तारवाला बाजा" ये वाद्य-यंत्र परमेश्वर की आराधना में इस्तेवा द्वारा काम में लिए जाते थे।

- वाय एक छोटे वीणा की तरह दिखती है, जिसमें एक चौखटे में तार लगा होता था।
- जिसे तारवाला बाजा कहा गया है वह काफी कुछ आज के गिटार जैसा होता था एक खोखला डब्बा और लम्बी डंडी जिस पर तार कसे होते थे।
- वायों को बजाने के लिए एक हाथ से तारों को दबाया जाता था और दूसरे हाथ से उन तारों को छेड़ा जाता था।
- वीणा, तारवाला बाजा और सारंगी सबको तार छेड़ कर बजाया जाता था।
- इनके तारों की संख्या अलग-अलग थी परन्तु पुराने नियम में स्पष्ट उल्लेख किया गया है कि दस तार वाले बाजे।

(यह भी देखें: वीणा)

#### बाइबल सन्दर्भ:

- [1 राजा 10:11-12](#)
- [1 शमूएल 10:5-6](#)
- [2 इतिहास 05:11-12](#)

#### शब्द तथ्य:

- Strong's: H3658, H5035, H5443

## वेदी

#### परिभाषा

वेदी एक पत्थर निर्मित ऊंचा स्थान होता था जिस पर इस्त्राएली परमेश्वर के लिए पशु या अन्न होम करके बलि चढ़ाते थे।

- बाइबल के युग में मिट्टी के गारे से एक छोटा टीला या बड़े-बड़े पत्थरों को एक के ऊपर एक रख स्थिर वेदी बनाई जाती थी।
- कुछ विशेष वेदियां लकड़ी के बक्से जैसी बनाई जाती थीं जिन पर सोना, पीतल या कांसा चढ़ाया जाता था।
- इस्त्राएल की पड़ोस जातियां भी अपने देवताओं के लिए बलि चढ़ाने हेतु वेदियां बनाती थीं।

(यह भी देखें: धूप जलाने की वेदी, झूठे देवता, अन्नबलि, बलि)

#### बाइबल सन्दर्भ:

- [उत्पत्ति 8:20](#)
- [उत्पत्ति 22:9](#)
- [याकूब 2:21](#)
- [लूका 11:49-51](#)
- [मत्ती 05:23](#)
- [मत्ती 23:19](#)

#### बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- 3:14 नूह जहाज से बहार निकल आया, उसने एक वेदी बनाई, और बलि के योग्य प्रत्येक प्रजाति के कुछ पशुओं की बलि चढ़ाई।
- 5:8 जब वे बलि चढ़ाने के स्थान पर पहुंच गए, तब अब्राहम ने अपने पुत्र इसहाक को बांध दिया और उसे वेदी पर रख दिया।
- 13:9 याजक पशु को मारकर उसे वेदी पर जलाए।
- 16:6 उसने(गिदोन ने) मूर्तियों के लिए बनाई गई \_वेदी\_ जहां होती थी वहाँ उसने (गिदोन ने) परमेश्वर को समर्पित एक नई वेदी बनाई और उस पर परमेश्वर के लिए बलि चढ़ाई।

#### शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0741, H2025, H4056, H4196, G10410, G23790

## वैभव

#### परिभाषा:

"वैभव" का अर्थ परम सुंदरता और चारूता है जो अक्सर धन और एक तेजस्वी रूप से जुड़ा होता है।

- "वैभव" शब्द उपयोग अधिकतर राजा के पास जो धन है या उसके बहुमूल्य सुन्दर वस्त्रों में उसके रूप का वर्णन करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है।
- "वैभव" शब्द वृक्षों, पर्वतों और परमेश्वर की सृष्टि की अन्य वस्तुओं का वर्णन करने के लिए भी किया जाता है।
- कुछ नगरों को भी वैभवशाली कहा जाता है, उनके प्रकृति संसाधनों, विस्तृत ईमारतों एवं सड़कों तथा निवासियों की धन-सम्पदा जैसे वैशाखूषा, सोना-चांदी आदि के लिए भी वैभवशाली कहा जाता है।
- संदर्भ के आधार पर,

इस शब्द का अनुवाद, "शानदार सौंदर्य" या "अद्भूत महिमा" या "राजसी महानता" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: महिमा, राजा, महामहिम)

#### बाइबल सन्दर्भ:

- [1 इतिहास 16:27](#)
- [निर्गमन 28:1-3](#)
- [यहेजकेल 28:07](#)
- [लूका 04:07](#)
- भजन-संहिता 089:44-45
- [प्रकाशितवाक्य 21:26-27](#)

#### शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1925, H1926, H1927, H1935, H2091, H2122, H2892, H3314, H3519, H6643, H7613, H8597

- बाइबल में "वैश्या" शब्द कभी-कभी प्रतीकात्मक रूप में ऐसे मनुष्य के लिए काम में लिया गया है जो मूर्तिपूजक है या भूत सिद्धि करने वाला है।
- "व्यभिचार करना" अर्थात् वैश्या के सदृश्य अनैतिक यौनाचार करना। बाइबल में यह उक्ति मूर्तिपूजक के लिए भी काम में ली गई है।
- "व्यभिचारिणी होना" अर्थात् अनैतिक यौनाचार करना या प्रतीकात्मक रूप में देवी-देवताओं की पूजा करके परमेश्वर से विश्वासघात करना।
- प्राचीन युग में मन्दिरों में स्त्री और पुरुष दोनों ही धार्मिक अनुष्ठान के लिए व्यभिचार के पात्र होते थे।
- इस शब्द का अनुवाद लक्षित भाषा में उसी शब्द से किया जाए जिसका अर्थ वैश्या हो। कुछ भाषाओं में इस शब्द के लिए एक शिष्ट शब्द हो सकता है। (देखें: व्यंजना)

(यह भी देखें: व्यभिचार, झूठे देवता, यौन अनैतिकता, मूर्ति)

#### बाइबल सन्दर्भ:

- [उत्पत्ति 34:31](#)
- [उत्पत्ति 38:21](#)
- [लूका 15:30](#)
- [मत्ती 21:31](#)

#### शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H2154, H2181, H2183, H2185, H6945, H6948, H8457, G4204

## वैश्या

### परिभाषा:

"वैश्या" और "व्यभिचारिणी" इस दोनों शब्दों का सन्दर्भ ऐसे मनुष्य से है जो पैसों के लिए या धार्मिक अनुष्ठानों के लिए व्यभिचार करता है। वैश्याएं प्रायः स्त्रियां होती थीं परन्तु पुरुष भी होते थे।